# Fipronil 2.92% W/W EC
# AGENDA® 25 EC
## Termiticide
### (Read instructions carefully before use)

Fipronil 2.92% w/w Emulsifiable Concentrate (EC) is recommended for the control of termites in buildings through pre & post construction treatments.

| Chemical Composition | : | Content (% w/w) |
|---|---|---|
| Fipronil (Active ingredient) | : | 2.92 |
| Tributyl phosphate (De-foaming agent) | : | 11.68 |
| Ethoxylate alky aryl phosphate ester (Emulsifier) | : | 10.51 |
| Calcium alkyl aryl sulphonate(Emulsifier) | : | 1.17 |
| Kerosene (De-aromatised) (Solvent) | : | Q.S |
| **Total** | : | **100.00 %** |

**Sp. Gr. : 0.856 g/ml at 25°C**

**Recommendation for Use :** Fipronil 2.92 % w/w EC (Agenda® 25 EC) shall be applied at 0.25% a.i. concentration i.e. 100 ml formulated, product diluted in 1 litre of water for the control of termites in buildings during pre and post construction. Treatment should be as per IS 6313 (Part-2) : 2022 i.e. Pre-constructional chemical treatment measures and IS 6313 (Part-3) : 2022 i.e. treatment for existing building as follows.

**Pre-Construction :** The Chemical emulsion shall be applied uniformly at the prescribed rate in all the stages of treatment. Hand operated sprayer or watering can should be used for application of chemical emulsion.

**Treatment of Masonry Foundations :**

1. Bottom surface and sides of foundation pits upto a height of 30 cm should be treated @ 5 ltr chemical emulsion per sq. mtr of surface area. 2. Back fill earth in immediate contact with the foundation structure should be treated @ 7.5 ltr per sq. mtr. of the vertical surface, of the substructure for each side. **3. Treatment of RCC Foundations :** Treatment should start at a depth of 50 cm below ground level @ 7.5 ltr. per sq. mtr. **4. Treatment of Top surface of plinth filling :** The top surface of the consolidated earth within plinth walls shall be treated with chemical emulsion at the rate of 5 ltr/$m^2$ of the surface before the sand bed or subgrade is laid. **5. Soil treatment along external perimeter of building :** Earth along the external walls of the building should be rodded at intervals of 15 cm and to a depth of 30 cm exposing the foundation wall surface. Chemical solution should be poured along the wall @ 7.5 ltr per sq. mtr of vertical surface. **6. Treatment of soil under apron along external perimeter of Building :** Top surface of the earth over which the apron is to be laid shall be treated with chemical solution @ 5 ltr per sq. mtr. of surface.

**Post Construction : 1. Soil treatment along external perimeter of building :** Earth along the external walls of the building should be rodded at intervals of 15 cm and to a depth of 30 cm exposing the foundation wall surface. Chemical solution should be poured along the wall @ 7.5 ltr per sq. mtr. of vertical surface. **2. Treatment of soil under apron along external perimeter of Building :** Top surface of the earth over which the apron is to be treated with chemical solution @ 5 ltr per sq.mtr.of vertical surface. **3. Treatment of soil under floor :** To prevent entry of termites from cracks, soil under floor should be treated. Drill 12 mm holes at the junction of floor and wall at 30 cm interval to reach the soil below. Squirt the chemical solution @ 1 ltr per hole and seal. **4. Treatment of voids in masonry :** The movement of termites through masonry walls be restricted by drilling holes in masonry wall at about 45° angle preferable from both sides of the plinth wall at 30 cm interval and squirt the chemical in holes till refusal and seal the holes. **5. Treatment of Upper Floors :** In case of infestation in upper floors, treat ground floor of the existing building as described above.

**Equipment :** Hand operated knapsack sprayer or foot sprayer is recommended.

**Symptoms of poisoning :** Mainly consists of irritability, lethargy, muscle tremors and in extreme cases convulsions may occur. Fipronil is a reversible GABA receptor inhibitor and these symptoms are reversible after termination of exposure.

**Precautions :** Avoid drinking eating or smoking during spraying. Avoid contact and inhalation. Do not spray on food stuffs and utensils. After spraying, wash hands and exposed parts of the body throughly.

**First Aid :** If the chemical is inhaled, get the victim into fresh air immediately. If breathing is stopped, apply artificial respiration. If swallowed, induce vomiting by tickling at the back of the throat with the finger. If the chemical has splashed into the eyes, flush the eyes with plenty of cold water. In case of skin contacts, wash the skin with plenty of soap and water. Get medical attention immediately.

**Antidote :** Treat symptomatically as specific antidote is not known.

**Storage :** The package containing insecticide should be stored in original containers in a separate room or almirah under lock and key depending upon quantity of material. Keep away from reach of children, domestic animals, food stuffs, animal feed etc. Store in a cool and dry place. The premises for storage should be well lit, well ventilated and sufficient in dimensions.

**Disposal of empty containers :** Destroy empty containers by crushing and burying in soil in a safe place away from water sources and habitats. No containers should be left outside to prevent its re-use. Used containers should be destroyed in such a manner so that there will not be water or environmental pollution.

**Caution : Not to be used other than specified on this label/leaflet.**

**Destroy the container after use as directed on leaflet.**

# फिप्रोनिल २.९२% भार/भार ईसी
# अजेन्डा २५ ईसी
## दीमकनाशक
### (इस्तेमाल से पहले लिफलेट ध्यान पूर्वक पढ़े)

फिप्रोनिल २.९२% भार/भार इमल्सीफाइबल कॉन्सट्रेट (इसी) का प्रयोग भवन निर्माण से पूर्व और भवन निर्माण के पाश्च्यात दीमक की रोकथाम के लिए किया जाता है।

| रासायनिक संरचना | : | मात्रा (% भार/भार) |
|---|---|---|
| फिप्रोनिल (सक्रिय तत्व) | : | २.९२ |
| ट्रायब्युटाइल फॉस्फेट (डी-फोमिंग एजंट) | : | ११.६८ |
| इथॉक्सिलेट अल्किल-अराईल फॉस्फेट ईस्टर (इमल्सिफायर) | : | १०.५१ |
| कॅल्शियम अल्किल-अराईल सल्फोनेट (इमल्सिफायर) | : | १.१७ |
| केरोसीन (डी-ऍरोमॅटाईज्ड) (सॉल्वंट) | : | शेष |
| **कुल** | : | **१००.००%** |

**विशिष्ट घनत्व : ०.८५६ ग्रा/मिली. २५° सेंटीग्रेड**

**प्रयोग के लिए सिफारिशें :** फिप्रोनिल २.९२% भार/भार ईसी (अजेन्डा २५ ईसी) का प्रयोग ०.२५% सक्रिय तत्व अर्थात १०० मि.ली. उत्पाद संरचना को १ लीटर पाण्यात मिसळून इमारत निर्माण होताना अथवा नंतर वाळवीच्या नियंत्रणासाठी केला पाहिजे. उपचार, आइ. एस ६३१३ (भाग २) : २०२२ नियांनी, निर्माण से पूर्व रासायनिक उपचार उपायों और आइ एस ६३१३ (भाग –३): २०२२ यानी, विद्यमान भवन के लिए उपचार के अनुसार होना चाहिए।

**निर्माण से पहले:** रसायनिक घोल की निर्धारित मात्रा उपचार की सभी अवस्थाओं में समान रूप से अर्जित होनी चाहिए। हाथ से चलने वाले स्प्रेयर अथवा फव्वारे द्वारा रसायन के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

**चिनाई वाली नींव का उपचार :** १. नींव के गड्ढों की निचली सतह और किनारे की दीवारों पर ३० से मी की उंचाई तक ५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से छिड़काव करें। २. नींव के ढाँचे के सम्पर्क में भराई की गई जमीन पर ७.५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से सभी दिशाओं में छिड़काव करें। ३. **आर.सी.सी. नींव का उपचार :** उपचार की शुरुवात जमीनी सतह के ५० से.मी. नीचे ७.५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से करे। ४. **प्लिंथ भराई की ऊपरी सतह :** प्लीन्थ की दीवारों के बीच स्थित ऊपरी सतह की सांमिलित मिट्टी का उपचार, रेत और वर्ग मिश्रण से पहले ५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से रसायनिक घोल से करे। ५. **भवन की बाहरी परिधि के साथ वाली मिट्टी का उपचार :** इमारत के चारों तरफ बाहरी दीवार के सम्पर्क में आने वाली मिट्टी को १५ सेमी की दूरी पर ३० सेमी की गहराई तक खोदें जिससे कि बुनियाद की दीवार दिखाई दे। फिटनाशक के घोल को दीवार के साथ–साथ ७.५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से डालें। ६. **इमारत के चारों तरफ के पट्टे के नीचे की मिट्टी का उपचार :** पट्टा बिछाने से पहले मिट्टी की ऊपरी सतह पर कीटनाशक का ५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से छिड़काव करें।

**भवन निर्माण के पाश्च्यात: १. भवन की बाहरी परिधि के साथ वाली मिट्टी का उपचार :** इमारत के चारों तरफ बाहरी दीवार के सम्पर्क में आने वाली मिट्टी को १५ से.मी. की दूरी पर ३० से.मी. की गहराई तक खोदें जिससे की बुनियाद की दीवार दिखाई दे। दवाई के घोल को दीवार के साथ–साथ ७.५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से डालें। **२. भवन की बाहरी परिधि में स्थित पट्टे के नीचे वाली मिट्टी का उपचार:** पट्टा बिछाने से पहले मिट्टी की उपरी सतह पर दवाई का ५ ली.प्रति वर्ग मीटर की दर से छिड़काव करें।

**३. फर्श के नीचे की मिट्टी का उपचार :** फर्श में पड़ी दरारों से दीमक के रोकथाम के लिए फर्श के नीचे की मिट्टी का उपचार करना आवश्यक है। फर्श और दीवार के जोड़ पर १२ मि मी. गोलाई के और ३० से.मी.गहरे छेद करें ताकि कीटनाशक निचले मिट्टी तक पहुँच सके। दवा के घोल को १ लीटर प्रति छेद की दर से डालें और छेद को बन्द करें। **४. चीनाई करी दिवारों में रिक्त स्थानों का उपचार :** चीनाई की गई दीवारों के द्वारा दीमक के फैलाव को रोकने के लिए भवन निर्माण के दौरान तरफ ३० सेमी. के अन्तराल पर ४५° के कोन पर छेद करें और कीटनाशक के घोल को पूरी तरह भरकर छेद को बन्द कर दें। **५. ऊपर की मंजिलों का उपचार :** यदि दीमक का फैलाव ऊपर की मंजिलों पर है तो जमिनी तल का ऊपर बताये गये पद्धती से उपचार करें।

**यंत्र :** हाथ से चलने वाले नैपसैक स्प्रेयर या फुट स्प्रेयर का उपयोग करें।

**विषबाधा के लक्षण :** मुख्यत :चिडचिडापन, उदासी मांस पेशीयों में ऐठन, अत्याधिक प्रकोप की अवस्था में दौरे की संभावनाए हो सकती है। फिप्रोनिल गाबा रिसेप्टर अवरोधक है एवं कीटनाशक से संबंध हटाते ही उपरोक्त लक्षण समाप्त हो जाते है।

**सावधानियाँ :** छिड़काव करते समय खानपान और धुम्रपान न करें। त्वचा से संपर्क या श्वसन में जाने से रोकने। खाद्य पदार्थ तथा बर्तनों पर छिड़काव न करें। छिड़काव करने के तुरन्त बाद हाथ तथा शरीर के खुले अंगो को पुरी तरह धोएँ।

**प्रथमोपचार :** कीटनाशक श्वासद्वारा अंदर गया हो तो मरीज को तुरन्त खुली हवा में ले जाइए। श्वास रुकने लगी हो तो कृत्रिम श्वसन का इस्तेमाल करे। कीटनाशक निगल गया हो तो पीड़ित को गले के अंदर उँगली डालकर उल्टी करवाएँ। कीटनाशक आँखों में जानेपर, आँखे रगडे पानी से भरपूर धोए। कीटनाशक का त्वचा के साथ सम्पर्क होने पर, त्वचा भरपूर पानी और साबुन से धो ले। तुरन्त डॉक्टरी इलाज करे।

**Antidote :** Treat symptomatically as specific antidote is not known.

**Storage :** The package containing insecticide should be stored in original containers in a separate room or almirah under lock and key depending upon quantity of material. Keep away from reach of children, domestic animals, food stuffs, animal feed etc. Store in a cool and dry place. The premises for storage should be well lit, well ventilated and sufficient in dimensions.

**Disposal of empty containers :** Destroy empty containers by crushing and burying in soil in a safe place away from water sources and habitats. No containers should be left outside to prevent its re-use. Used containers should be destroyed in such a manner so that there will not be water or environmental pollution.

**Caution : Not to be used other than specified on this label/leaflet.**

**Destroy the container after use as directed on leaflet.**

# फिप्रोनिल २.९२% व/व ईसी
# अजेंडा २५ ई सी
## वाळवीनाशक
### (वापरण्यापूर्वी सुचनां काळजी पूर्वक वाचा)

फिप्रोनिल २.९२% व/व. इमल्सिफाएबल कॉन्सन्ट्रेट (ईसी) ची शिफारस इमारत बांधणीच्या आधी व इमारत बांधणीनंतर वाळवीच्या नियंत्रणासाठी केली जाते.

| रासायनिक संरचना | : | मात्रा (% व/व) |
|---|---|---|
| फिप्रोनिल (सक्रिय तत्व) | : | २.९२ |
| ट्रायब्युटाइल फॉस्फेट (डी-फोमिंग एजंट) | : | ११.६८ |
| इथॉक्सिलेट अल्काईल- अराईल फॉस्फेट ईस्टर (इमल्सिफायर) | : | १०.५१ |
| कॅल्शियम अल्काईल- अराईल सल्फोनेट (इमल्सिफायर) | : | १.१७ |
| केरोसिन (डी-ॲरोमॅटाइझड) (सॉल्वेंट) | : | शेष |
| **एकूण** | : | **१००.००%** |

**विशिष्ट घनत्व: ०.८५६ ग्रॅ/मिली २५° से.**

**वापरण्यासाठी शिफारस :** फिप्रोनिल २.९२% व/व ईसी (अजेंडा २५ ईसी) चा वापर ०.२५% स.त. अथवा १०० मि.ली. उत्पादन संरचनेला १ लीटर पाण्यात मिसळून इमारत निर्माण होताना अथवा नंतर वाळवीच्या नियंत्रणासाठी केला पाहिजे. उपचार, आइ. एस ६३१३ (भाग २) : २०२२ नियांनी, निर्माण से पूर्व रासायनिक उपचार उपायों और आइ एस ६३१३ (भाग –३): २०२२ यानी, विद्यमान भवन के लिए उपचार के अनुसार होना चाहिए।

**निर्माण से पहले:** रसायनिक घोल की निर्धारित मात्रा उपचार की सभी अवस्थाओं में समान रूप से अर्जित होनी चाहिए। हाथ से चलने वाले स्प्रेयर अथवा फव्वारे द्वारा रसायन के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

**चिनाई वाली नींव का उपचार :** १. नींव के गड्ढों की निचली सतह और किनारे की दीवारों पर ३० से मी की उंचाई तक ५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से छिड़काव करें। २. नींव के ढाँचे के सम्पर्क में भराई की गई जमीन पर ७.५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से सभी दिशाओं में छिड़काव करें। ३. **आर.सी.सी. नींव का उपचार :** उपचार की शुरुवात जमीनी सतह के ५० से.मी. नीचे ७.५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से करे। ४. **प्लिंथ भराई की ऊपरी सतह :** प्लीन्थ की दीवारों के बीच स्थित ऊपरी सतह की सांमिलित मिट्टी का उपचार, रेत और वर्ग मिश्रण से पहले ५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से रसायनिक घोल से करे। ५. **भवन की बाहरी परिधि के साथ वाली मिट्टी का उपचार :** इमारत के चारों तरफ बाहरी दीवार के सम्पर्क में आने वाली मिट्टी को १५ सेमी की दूरी पर ३० सेमी की गहराई तक खोदें जिससे कि बुनियाद की दीवार दिखाई दे। दवाई के घोल को दीवार के साथ–साथ ७.५ ली. प्रति वर्ग मीटर की दर से डालें। **२. भवन की बाहरी परिधि में स्थित पट्टे के नीचे वाली मिट्टी का उपचार:** पट्टा बिछाने से पहले मिट्टी की उपरी सतह पर दवाई का ५ ली.प्रति वर्ग मीटर की दर से छिड़काव करें।

**३. फर्श के नीचे की मिट्टी का उपचार :** फर्श में पड़ी दरारों से दीमक के रोकथाम के लिए फर्श के नीचे की मिट्टी का उपचार करना आवश्यक है। फर्श और दीवार के जोड़ पर १२ मि मी. गोलाई के और ३० से.मी.गहरे छेद करें ताकि कीटनाशक निचले मिट्टी तक पहुँच सके। दवा के घोल को १ लीटर प्रति छेद की दर से डालें और छेद को बन्द करें। **४. चीनाई करी दिवारों में रिक्त स्थानों का उपचार :** चीनाई की गई दीवारों के द्वारा दीमक के फैलाव को रोकने के लिए भवन निर्माण के दौरान तरफ ३० सेमी. के अन्तराल पर ४५° के कोन पर छेद करें और कीटनाशक के घोल को पूरी तरह भरकर छेद को बन्द कर दें। **५. ऊपर की मंजिलों का उपचार :** यदि दीमक का फैलाव ऊपर की मंजिलों पर है तो जमिनी तल का ऊपर बताये गये पद्धती से उपचार करें।

**यंत्र :** हाथ से चलने वाले नैपसैक स्प्रेयर या फुट स्प्रेयर का उपयोग करें।

**विषबाधा के लक्षण :** मुख्यत :चिडचिडापन, उदासी मांस पेशीयों में ऐठन, अत्याधिक प्रकोप की अवस्था में दौरे की संभावनाए हो सकती है। फिप्रोनिल गाबा रिसेप्टर अवरोधक है एवं कीटनाशक से संबंध हटाते ही उपरोक्त लक्षण समाप्त हो जाते है।

**सावधानियाँ :** छिड़काव करते समय खानपान और धुम्रपान न करें। त्वचा से संपर्क या श्वसन में जाने से रोकने। खाद्य पदार्थ तथा बर्तनों पर छिड़काव न करें। छिड़काव करने के तुरन्त बाद हाथ तथा शरीर के खुले अंगो को पुरी तरह धोएँ।

**प्रथमोपचार :** कीटनाशक श्वासद्वारा अंदर गया हो तो मरीज को तुरन्त खुली हवा में ले जाइए। श्वास रुकने लगी हो तो कृत्रिम श्वसन का इस्तेमाल करे। कीटनाशक निगल गया हो तो पीड़ित को गले के अंदर उँगली डालकर उल्टी करवाएँ। कीटनाशक आँखों में जानेपर, आँखे रगडे पानी से भरपूर धोए। कीटनाशक का त्वचा के साथ सम्पर्क होने पर, त्वचा भरपूर पानी और साबुन से धो ले। तुरन्त डॉक्टरी इलाज करे।

**Antidote :** Treat symptomatically as specific antidote is not known.

**Storage :** The package containing insecticide should be stored in original containers in a separate room or almirah under lock and key depending upon quantity of material. Keep away from reach of children, domestic animals, food stuffs, animal feed etc. Store in a cool and dry place. The premises for storage should be well lit, well ventilated and sufficient in dimensions.

**Disposal of empty containers :** Destroy empty containers by crushing and burying in soil in a safe place away from water sources and habitats. No containers should be left outside to prevent its re-use. Used containers should be destroyed in such a manner so that there will not be water or environmental pollution.

**Caution : Not to be used other than specified on this label/leaflet.**

**Destroy the container after use as directed on leaflet.**

# ਫਿਪਰੋਨਿਲ ੨.੯੨% ਵ/ਵ ਈਸੀ
# ਅਜੇਂਡਾ ੨੫ ਈ.ਸੀ.
## ਦੀਮਕਨਾਸ਼ਕ
### (ਉਪਯੋਗ ਕਰਤਾਂ ਪਢੇਲਾਂ ਪਰਿਪਾਕਾਂਲੀ ਧਿਯਾਨੀ ਨਾਲ ਪਢ਼ੋ)

ਫਿਪਰੋਨਿਲ ੨.੯੨% ਵ/ਵ. ਇਮਲਸੀਫਾਇਬਲ ਕੰਸੰਟ੍ਰੇਟ (ਈਸੀ) ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਇਮਾਰਤ ਬੰਧਾਈਆਂ ਆਧੀ ਵ ਇਮਾਰਤ ਬੰਧਾਈਨਾਂਤਰ ਵਾਲਵੀਚਾ ਨਿਯੰਤਰਾਸਾਠੀ ਕੇਲੀ ਜਾਤੇ.

| ਰਾਸਾਯਨਿਕ ਸੰਰਚਨਾ | : | ਮਾਤਰਾ (% ਭਾਰ/ਭਾਰ) |
|---|---|---|
| ਫਿਪਰੋਨਿਲ (ਸਕ੍ਰਿਯ ਤਤਵ) | : | ੨.੯੨ |
| ਟ੍ਰਾਯਬ੍ਯੂਟਾਇਲ ਫੱਸਫੇਟ (ਡੀ-ਫੋਮਿੰਗ ਏਜੰਟ) | : | ੧੧.੬੮ |
| ਇਥੱਕਸਿਲੇਟ ਅਲਿਕਲ-ਅਰਾਈਲ ਫੱਸਫੇਟ ਈਸਟਰ (ਇਮਲਿਸਫਾਯਰ) | : | ੧੦.੫੧ |
| ਕੱਲਿਸ਼ਯਮ ਅਲਿਕਲ-ਅਰਾਈਲ ਸਲਫੋਨੇਟ (ਇਮਲਿਸ਼ਫਾਯਰ) | : | ੧.੧੭ |
| ਕੇਰੋਸੀਨ (ਡੀ-ਅੱਰੋਮੱਟਾਇਜ਼ਡ) (ਸੋਲਵੰਟ) | : | ਸ਼ੇਯ |
| **ਕੁਲ** | : | **੧੦੦.੦੦%** |

**ਵਿਸ਼ਿਸ਼ਟ ਘਨਤਾ : ੦.੮੫੬ ਗ੍ਰਾਂ/ਮਿਲੀ. ੨੫° ਸੇਂਟੀਗ੍ਰੇਡ**

**ਉਪਯੋਗ ਮਾਟੇ ਸਿਫਾਰਸ਼ :** ਫਿਪਰੋਨਿਲ ੨.੯੨% ਵ/ਵ ਈਸੀ (ਅਜੇਂਡਾ ੨੫ ਈ.ਸੀ.) ਦਾ ਪਯਾਨ ੦.੨੫% ਸ.ਤ. ਅਥਵਾ ੧੦੦ ਮਿ.ਲੀ. ਉਤਪਾਦਨ ਸੰਰਚਨੇਲਾ ੧ ਲੀਟਰ ਪਾਣਯਾਤ ਮਿਸਲੂਨ ਇਮਾਰਤ ਨਿਰਾਣ ਝੋਤਾਨਾ ਅਥਵਾ ਨੰਤਰ ਵਾਲਵੀਚਾ ਨਿਯੰਤਰਾਸਾਠੀ ਕੇਲਾ ਪਹਿਜੇ. ਉਪਚਾਰ, ਆਇ. ਏਸ ੬੩੧੩ (ਭਾਗ-੨): ੨੦੨੨ ਨਾਂਹੀ, ਨਿਰਾਣ ਤੋਂ ਪੂਰਵ ਰਸਾਯਨਿਕ ਉਪਚਾਰ ਉਪਾਯਾਂ ਅਤੇ ਆਇ ਏਸ ੬੩੧੩ (ਭਾਗ –੩): ੨੦੨੨ ਪੂਰਵ ਨਿਰਾਣ ਇਮਾਰਤੀਚਾ ਉਪਚਾਰਾ ਕਰ ਆਬਾਰਿਤ ਅਸਾਵਾ.

**ਇਮਾਰਤ ਬੰਧਾਈਚਾ ਆਧੀ :** ਰਸਾਯਨਿਕ ਦ੍ਰਾਵਣ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਦਰਾਤ ਸਮਾਨ ਰੂਪਾਨੇ ਉਪਚਾਰਾਚਾ ਸਰ�्व ਅਵਸਥਾਂਚਾਂਵਰ ਵਾਪਰਲੇ ਪਾਹਿਜੇ. ਹੱਥਾਂਤ ਔਪਰੇਟੇਡ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਜਾ ਪਾਣੀ ਘਾਲਣਾਚਾ �झारੀ ਫ਼ਰੇ ਰਸਾਯਨਿਕ ਫ਼ਾਰਵਲ ਪਾਹਿਜੇ.

**ਦਗਡੀ ਬਾਂਧਕਾਮ ਪਾਯਾਚਾ ਉਪਚਾਰ:** ੧. ਫਾਊਂਡੇਸ਼ਨ ਖਾਲਚ੍ਯਾ ਪ੍ਰਾਂਤਾਂਚਾਰ ਆਣਿ ਬਾਜੂਚ੍ਯਾ ਸਿੰਗੀਚਾ ੩੦ ਸੀ.ਮੀ ਚ੍ਯਾ ਉਚੀਪਰਯੰਤ ੫ ਲੀ. ਪ੍ਰਤਿ ਵਰਗੇਂਚਾਰ ਮੀਟਰਚ੍ਯਾ ਪ੍ਰਮਾਣਾਨੇ ਫਵਾਰਾਵੇ. ੨. ਪਾਯਾ ਸੰਰਚਨੇਚ੍ਯਾ ਤਾਤਕਾਲ ਲਗੰਤਿਲਾ ਮਾਤੀਚੀ ਬਰਗਵਾਰ ੭.੫ ਲੀ. ਪ੍ਰਤਿ ਉਂਚ੍ਯਾ ਚੌ.ਮੀ. ਪ੍ਰਢਲਾਯਾਵਰ ਸਬਸ੍ਟ੍ਰਕਚਰਚ੍ਯਾ ਪ੍ਰਤ੍ਯੇਕ ਬਾਜੂਲਾ ਕਾਰਵੀ. ੩. **ਆਰ.ਸੀ.ਸੀ. ਪਾਯਾਚਾ ਉਪਚਾਰ :** ਜਮਿਨੀਚ੍ਯਾ ਪ੍ਰਢਲਾਯਾਸੂਨ ੫੦ ਸੇਂਮੀ. ਖਲੇਂਵਰ ੭.੫ ਲੀ.ਪ੍ਰਤਿ ਚੌਰਸ ਮੀਟਰਚ੍ਯਾ ਪ੍ਰਮਾਣਾਤ ਫਵਾਰਾਵੇ. ੪. **ਪ੍ਲਿੰਥ ਮਧ੍ਯੇ �भरलेल्या ਮਾਤੀਚ੍ਯਾ ਪ੍ਰਢਲਾਯਾਵਰਿਲ ਉਪਚਾਰ:** ਪ੍ਲਿੰਥਚ੍ਯਾ ਭਿੰਤੀਮੱਧੀਲ ਮਾਤੀਚੇ ਸਪਾਟੀਕਰਣ �झाल्यावर, ਪ੍ਰਢਲਾਯਾਵਰ ਰੇਤੀ ਆਣਿ ਖਡੀ ਚੀ ਥਰ ਟਾਕ੍ਯਾ ਆਧੀ ਰਸਾਯਨਾਚ੍ਯਾ ਦ੍ਰਵਾਣੇ ੫ ਲਿ. ਪ੍ਰਤਿ ਚੌਰਸ ਮੀਟਰ ਦਰਾਨੇ ਫਵਾਰਾ ਕਰਾ. ੫. **ਇਮਾਰਤੀਚ੍ਯਾ ਚहूबाजूंनी बाहेरील मातीचा उपचार :** ਇਮਾਰਤੀਚ੍ਯਾ ਚहूबाजूंनी बाहेरील मितीच्या संपर्कात येणाऱ्या मातीला १५ सें.मी. च्या अंतरावर ३० सें.मी. खोल खणावे म्हणजे त्यामुळे पायाची भिंत दिसेल. द्रावणाचे मिश्रण भिंती बरोबरच ७.५ ली. प्रति चौरस मीटर या प्रमाणात घालावे. ६. **इमारतीच्या चहूबाजूंच्या पट्ट्यांखालील मातीचा उपचार :** पट्टा पसरण्याआधी मातीच्या पृष्ठभागावर द्रावणाने ५ ली. प्रति चौरस मीटरच्या प्रमाणात फवारावे.

ਇਮਾਰਤ ਬਾਂਧਣੀਨਂਤਰ : **੧. ਇਮਾਰਤੀਚ੍ਯਾ ਚहूबाजूंनी बाहेरील मातीचा उपचार :** ਇਮਾਰਤੀਚ੍ਯਾ ਚहूबाजूंनी बाहेरील मितीच्या संपर्कात येणाऱ्या मातीला १५ सें.मी. च्या अंतरावर ३० सें.मी. खोल खणावे म्हणजे त्यामुळे भिंत दिसेल. द्रावणाचे मिश्रण भिंती बरोबरच ७.५ ली. प्रति चौरस मीटरच्या प्रमाणात घालावे. **२. इमारतीच्या चहूबाजूंच्या पट्ट्यांखालील मातीचा उपचार:** ਪਟ੍ਟਾ ਪਸਰਵਣ੍ਯਾਆਧੀ ਮਾਤੀਚ੍ਯਾ ਵਰੀਲ ਪ੃ਸ਼ਠਾਂਗਵਰ ਫਵਾਰਾਵੇ ੫ ਲੀ. ਪ੍ਰਤਿ ਵਰਗੇਂਚਾਰ ਮੀਟਰਚ੍ਯਾ ਪ੍ਰਮਾਣਾਤ ਫਵਾਰਾਵੇ. ੩. **ਲਾਦੀ ਖਾਲੀਲ ਮਾਤੀਚ੍ਯਾ ਉਪਚਾਰ :** ਲਾਦੀਲਾ ਪਡਲੇਲ੍ਯਾ ਮੋਗਮੱਢੂਨ ਯੇਣ੍ਯਾ ਵਾਲਵੀਚ੍ਯਾ ਨਿਯੰਤ੍ਰਣਾਸਾਠੀ ਖਾਲੀਲ ਮਾਤੀਚਾ ਉਪਚਾਰ ਕੇਲਾ ਪਾਹਿਜੇ. ਲਾदी आणि भींतीच्या जोडणीजवळ १२ मि.मी. गोलाकाराची ३० सें.मी. अंतरावर भोके पाडा म्हणजे द्रावण मातीपर्यंत पोहचू शकेल. द्रावणाचे मिश्रण ९ लीटर प्रत्येक भोकाचे प्रमाणाने ओता आणि भोके बंद करा. **४. मेसनरी बांधकामामधील भेगांचा उपचार:** वीट आणी सिमेंट ने बांधलेल्या भिंतीमधून वाळवीचा फैलाव बांधण्यापासाठी प्लिन्थ भिंतीच्या दोन्ही बाजूला ३० सें.मी च्या अंतरावर ४५° च्या कोनात भोके पाडावी आणि द्रावणाचे मिश्रण पूर्णपणे भरून भोके बंद करावे. **५. वरच्या मजल्यांचा उपचार :** जर वाळवीचा फैलाव वरील मजल्यांवर झाला असेल तर वरील मजल्यांचा उपचार वर नमूद केल्या प्रमाणे करावा.

**ਯੰਤਰ :** ਹਤਾਨੇਚਾਲਵਿਯਾਤੇ ਐਂਸਲੱਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਯਾ ਫੁਟ ਸਪ੍ਰੇਅਰਚਾ ਸਿਫਾਰਸ.

**ਵਿਖਬਾਧੀਚੀ ਲਕਸ਼ਣ :** ਮੁਖਯਤ :ਚਿਡਚਿਡਾਪਨ, ਉਦਾਸੀ ਮਾਂਸ ਪੇਸ਼ੀਯਾਂ ਮੇਂ ਏਠਨ, ਅਤਯਾਧਿਕ ਪ੍ਰਕੋਪ ਕੀ ਅਵਸਥਾ ਮੇਂ ਦੌਰੇ ਕੀ ਸੰਭਾਵਨਾਏ ਹੋ ਸਕਤੀ ਹੈਂ। ਫਿਪਰੋਨਿਲ ਗਾਬਾ ਰਿਸੇਪਟਰ ਅਵਰੋਧਕ ਹੈ ਏਵਂ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਸੇ ਸੰਬੰਧ ਹਟਾਤੇ ਹੀ ਉਪਰੋਕਤ ਲਕਸ਼ਣ ਸਮਾਪਤ ਹਾ ਜਾਤੇ ਹੈਂ।

**ਸਾਵਧਾਨਿਯਾਂ :** ਛਿਡਕਾਵ ਕਰਤੇ ਸਮਯ ਖਾਨਪਾਨ ਔਰ ਧੁਮ੍ਰਪਾਨ ਨ ਕਰੇਂ। ਤ੍ਵਚਾ ਸੇ ਸੰਪਰਕ ਯਾ ਸ੍ਵਸਨ ਮੇਂ ਜਾਨੇ ਸੇ ਰੋਕਨੇ। ਖਾਦ੍ਯ ਪਦਾਰਥੋਂ ਤਥਾ ਬਰਤੋਂ ਪਰ ਛਿਡਕਾਵ ਨ ਕਰੇਂ। ਛਿਡਕਾਵ ਕਰਨੇ ਕੇ ਤੁਰਨ੍ਤ ਬਾਦ ਹਾਥ ਤਥਾ ਸ਼ਰੀਰ ਕੇ ਖੁਲੇ ਅੰਗੋ ਕੋ ਪੁਰੀ ਤਰਹ ਧੋਏਂ।

**ਪ੍ਰਥਮੋਪਚਾਰ :** ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਸ਼ਵਾਸਫ਼ਾਰ ਅੰਦਰ ਗਯਾ ਹੋ ਤਾਂ ਮਰੀਜ਼ ਕੋ ਤੁਰਨ੍ਤ ਖੁਲੀ ਹਵਾ ਮੇਂ ਲੇ ਜਾਇਏ। ਸ਼ਵਾਸ ਰੁਕਨੇ ਲਗੀ ਹੋ ਤੋ ਕ੍ਰਤਿਮ ਸ਼ਵਸਨ ਕਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰੇ। ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਨਿਗਲ ਗਯਾ ਹੋ ਤੋ ਪੀੜਿਤ ਕੋ ਗਲੇ ਕੇ ਅੰਦਰ ਉਂਗਲੀ ਡਾਲਕਰ ਉਲ੍ਟੀ ਕਰਵਾਏਂ। ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਆਂਖੋ ਮੇਂ ਜਾਨੇਪਰ, ਆਂਖੇ ਰਗਡੇ ਪਾਨੀ ਸੇ ਭਰਪੂਰ ਧੋਏ। ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਕਾ ਤ੍ਵਚਾ ਕੇ ਸਾਥ ਸਮ੍ਪਰਕ ਹੋਨੇ ਪਰ, ਤ੍ਵਚਾ ਭਰਪੂਰ ਪਾਨੀ ਔਰ ਸਾਬੁਨ ਸੇ ਧੋ ਲੇ। ਤੁਰਨ੍ਤ ਡ੉ਕਟਰੀ ਇਲਾਜ ਕਰੇ।

**Antidote :** Treat symptomatically as specific antidote is not known.

**Storage :** The package containing insecticide should be stored in original containers in a separate room or almirah under lock and key depending upon quantity of material. Keep away from reach of children, domestic animals, food stuffs, animal feed etc. Store in a cool and dry place. The premises for storage should be well lit, well ventilated and sufficient in dimensions.

**Disposal of empty containers :** Destroy empty containers by crushing and burying in soil in a safe place away from water sources and habitats. No containers should be left outside to prevent its re-use. Used containers should be destroyed in such a manner so that there will not be water or environmental pollution.

**Caution : Not to be used other than specified on this label/leaflet.**

**Destroy the container after use as directed on leaflet.**

# ફિપ્રોનિલ ૨.૯૨% વ/વ ઈસી
# અજેન્ડા ૨૫ ઈ. સી.
## ઉધઈનાશક
### (ઉપયોગ કરતાં પહેલાં પરિપત્રમાંની વિગતો કાળજીપૂર્વક વાંચવી)

બાંધકામ પહેલાં અને પછીના સમય દરમિયાન ઈમારતોમાં ઉધઈની નિયંત્રણ માટે ફિપ્રોનિલ ૨.૯૨% વ/વ ઈમલ્સિયોયેબલ કોંસ્ટ્રેક્ટ (ઈસી) વાપરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે.

| રાસાયણિક કંપોઝીશન | : | ઘ્રમાણ (% વ/વ) |
|---|---|---|
| ફિપ્રોનિલ (સક્રિય ઘટક) | : | ૨.૯૨ |
| ટ્રાયબ્યુટાઈલ ફોસ્ફેટ (ડી ફોમિંગ એજન્ટ) | : | ૧૧.૬૮ |
| એથોક્સીલેટેડ આલ્કાઈલ એરીલ ફોસ્ફેટ એસ્ટર (ઈમલ્સિફાયર) | : | ૧૦.૫૧ |
| કેલ્શિયમ આલ્કાઈલ એરીલ સલ્ફોનેટ (ઈમલ્સિફાયર) | : | ૧.૧૭ |
| કેરોસીન (ડી-ઍરોમેટાઈઝ્ડ) (સૉલ્વેંટ) | : | શેષ |
| **કુલ** | : | **૧૦૦.૦૦%** |

**વિશિષ્ટ ઘનતા : 

## ফ্লুপ্যুনিল 2.92% ডব্লু/ডব্লু ইসি

# অজেন্ডা 25 ইসি

**ঘনীভূত ইমালশন (গাঢ়ভূত ইমালশন)**

**(ব্যবহারের পূর্বে অবশ্যই নির্দেশনাসমূহ মনোযোগের সহিত পড়ুন)**

ফ্লুপ্যুনিল 2.92% ডব্লু/ডব্লু/ডব্লু ঘনীভূত ফ্লাওবেলর কন্সেন্ট্রেট (ডব্লু) একটি গাঢ়ভূত ঘনীভূত ইমালশন ধরণের নির্ভরযোগ্য মাঠপর্যায় নির্ভারশীল ভেষজনাশক যা বিভিন্ন প্রজাতির ক্ষতিকারক পোকা দমনে ব্যবহার করা যায়।

| | | |
|---|---|---|
| **রাসায়নিক সংগঠনের** | : | **পরিমাণ (ডব্লু/ডব্লু)** |
| ফ্লুপ্যুনিল (সক্রিয় ফ্লাওবেল) | : | 2.92 |
| ট্রাইটোলিন ফ্লাওবেল (মেলাই সিমারদের ফ্লাওবেল) | : | 11.68 |
| ফ্লাওবেলিয়ার অলিয়েল এসিলস (ফ্লাওবেলকারের) | : | 10.51 |
| কালসিয়াম অলিয়েল এসিলস (ফ্লাওবেলকারের) | : | 1.17 |
| **কেরিয়ার (ভারসারিয়েন্ট) (সালভেন্ট)** | : | **কুও.এস** |
| **মোট** | : | **100.00%** |

**স্ট্যুডিফ্লাস্ট গ্যাসিটি (ব্যাকটেরি সাংদ্রতা) : 0.856 গ্রা./মিএল, 25°C তাপমাত্রায়।**

**ব্যবহারের উপযোগিতা :** ফ্লুপ্যুনিল 2.92% ডব্লু/ডব্লু/ডব্লু ঘনীভূত (অজেন্ডা 25 ইসি) একটি 25 গ্রাম সক্রিয় উপাদান সমৃদ্ধ ঘনীভূত ইমালশন ধরণের নির্ভরযোগ্য মাঠপর্যায় নির্ভারশীল ভেষজনাশক। এটি ফ্লাওবেল গোত্রের ক্ষতিকারক পোকা দমনে ব্যবহার করা যায়। এটি ফ্লাওবেল গোত্রের ক্ষতিকারক পোকা দমনে ব্যবহার করা যায়। এটি ফ্লাওবেল গোত্রের ক্ষতিকারক পোকা দমনে ব্যবহার করা যায়।

**প্রস্তুতকারক :** ফ্লুপ্যুনিল 2.92% ডব্লু/ডব্লু/ডব্লু ঘনীভূত (অজেন্ডা 25 ইসি) একটি 25 গ্রাম সক্রিয় উপাদান সমৃদ্ধ ঘনীভূত ইমালশন ধরণের নির্ভরযোগ্য মাঠপর্যায় নির্ভারশীল ভেষজনাশক। এটি ফ্লাওবেল গোত্রের ক্ষতিকারক পোকা দমনে ব্যবহার করা যায়। এটি ফ্লাওবেল গোত্রের ক্ষতিকারক পোকা দমনে ব্যবহার করা যায়। এটি ফ্লাওবেল গোত্রের ক্ষতিকারক পোকা দমনে ব্যবহার করা যায়।

**প্রয়োগ (প্রস্তুতকরণ ও ব্যবহার প্রণালী:**

1. কীটনাশকের মাধ্যমে ফ্লাওবেল ১০ মিএল/লিটারে ৯০ মিএল ফ্লাওবেল ফ্লাওবেল ১ লিটার ঘনমাত্রার ফ্লাওবেল ফ্লাওবেল (৯০) ফ্লাওবেল ফ্লাওবেল ১০ মিএল/লিটার ফ্লাওবেল ফ্লাওবেল ১ লিটার